वो सात दिन कैसे बीते-4

“चरमोत्कर्ष के बाद गौसिया फ़िर उत्तेजित होने लगी और इस बार तो वो मेरा लंड अपने अन्दर ले लेना चहती थी। तो क्या मैंने उसकी अक्षत योनि में लिंग प्रवेश कराया ? ...”

Story By: इमरान ओवैश (imranovaish)
Posted: सोमवार, जुलाई 25th, 2016
Categories: जवान लड़की
Online version: वो सात दिन कैसे बीते-4

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो सात दिन कैसे बीते-4

गौसिया स्खलित होने के बाद सनसनाते दिमाग के साथ बेजान सी पड़ गई जैसे बेहोश हो गई हो। मैं भी थक गया था तो मैं भ उसकी बगल में लेट कर अपनी साँसें दुरुस्त करने लगा।

करीब पांच मिनट बाद उसने आँखें खोलीं और मुझे बड़े अनुराग से देखने लगी।
'क्या वाकई हर बार इतना मज़ा आता है।' उसके स्वर में अविश्वास सा था।
'इससे ज्यादा- उंगली की जगह अगर पेनिस हो तो इससे लगभग दोगुना!'

उसने एक 'आह' सी भरते हुए आँखें बंद कर लीं।
कुछ पल तक कुछ सोचती रही, फिर आँखें खोल कर मुझे देखने लगी- क्या लड़की ऐसे ही डिस्चार्ज होती है... मतलब ऐसे ही स्क्वरटिंग करते हुए?

'नहीं, ऐसा रेयर ही होता है या जानबूझकर किया जाए। मतलब जब यूरीन ब्लेडर भरा हो और सहवास किया जाए तो स्खलन के वक़्त वेजाइनल मसल्स से कंट्रोल हट जाता है... तब ऐसे होता है। ऐसा आम कंडीशन में होने लगे तो समझो कि हर सेक्स के बाद बिस्तर की हालत खराब हो जाए। यह रस नहीं था तुम्हारा... बल्कि पेशाब था।'

'जो तुम्हारे मुंह में जा रहा था। तुम्हे गन्दा नहीं लगा?'

'नहीं। मैंने इन पलों में तुम्हें मन से स्वीकार किया था... तुम्हारी कोई भी चीज़ मेरे लिए अस्वीकार्य या घृणित नहीं है। सिर्फ स्खलन के लिए योनि और लिंग का घर्षण किया जाए वहाँ यह बातें मायने रखती हैं पर ऐसे मामले में नहीं।'

'तुम क्या कह रहे थे कि ये स्क्वर्टिंग जानबूझकर भी की जाती है?'

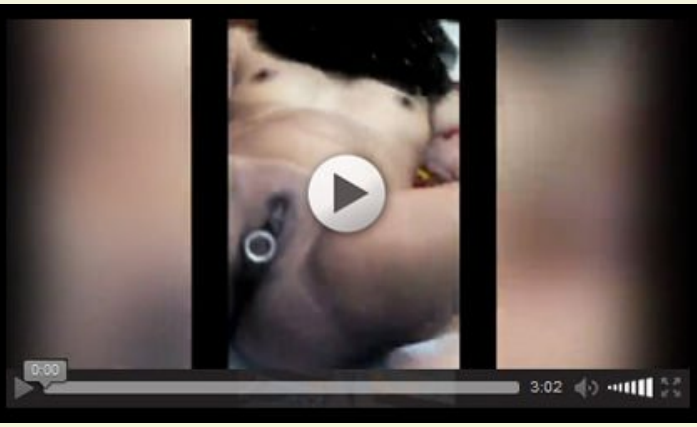

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने अपने मोबाइल पर एक पोर्न साइट खोली और उसे स्क्वर्टिंग वाली फ़िल्में दिखाने लगा जिनमे लड़कियाँ स्तम्भन या स्खलन के दौरान ज़ोर जोर से पेशाब की धाराएँ छोड़ती हैं।

वह गहरी दिलचस्पी से वह छोटी छोटी फ़िल्में देखने लगी और ऐसे ही एक घंटा गुज़र गया।

इस बीच वह धीरे धीरे फिर गर्म हो गई थी, इसका अहसास मुझे तब हुआ जब मैंने उसकी उंगलियाँ अपने शांत पड़े लिंग पर महसूस की।
उसकी उँगलियों की सहलाहट से उसमें फिर जान पड़ने लगी।

मैंने फोन को किनारे रख दिया और उससे सट कर उसकी आँखों में झाँकने लगा।

'हम रात भर यह करेंगे।' कहते हुए उसके स्वर में अनिश्चितता थी।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

'देखते हैं... कब तक तुम बर्दाश्त कर सकती हो खुद को इस हाल में !' मैंने शरारत से मुस्कराते हुए कहा और उसे चिपटा कर अपने ऊपर खींच लिया।

'तुम्हारे मुंह से कुछ महक आ रही है।'
'तुम्हारी ही है।'

'क्या हर बार ऐसे ही डिस्चार्ज होना पड़ेगा मुझे ?'

'यह तुम्हारे ऊपर डिपेंड है। स्खलन सिर्फ लिंग योनि के घर्षण से संभव नहीं होता बल्कि दिमाग को वहाँ, उस पॉइंट पर पहुंचना पड़ता है। अगर तुम चाहो तो अपने दिमाग को दूसरे तरीके से भी वहाँ ले जा सकती हो... हम एक दूसरे को ज़बरदस्त ढंग से रगड़ेंगे, चूमेंगे, सहलाएंगे और तुम अपने शरीर के हर हिस्से से उस घर्षण की उत्तेजना को फील

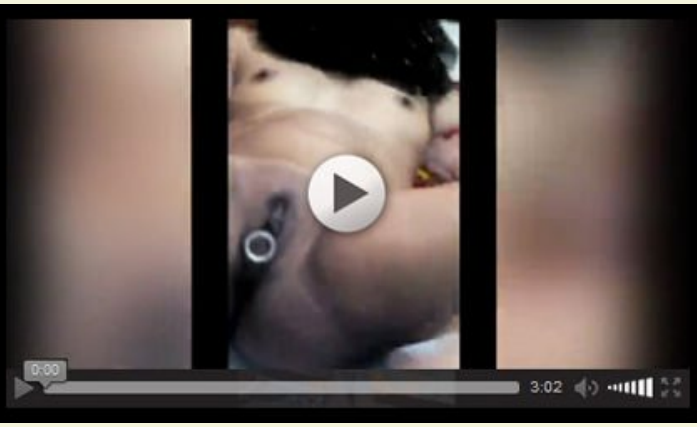

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

करते हुए अपने दिमाग को पूरी एकाग्रता से वहाँ ले जाने की कोशिश करोगी जहाँ चरमोत्कर्ष का बिंदु है।
किसी भी पल में खुद को रोकोगी या संभालोगी नहीं बल्कि दिमाग से यह ठान लोगी कि तुम्हे स्खलित होना है।'

'कोशिश करती हूँ। ज़ाहिर है कि मेरे लिए सब कुछ नया है, अजीब है, तो मुझे नहीं पता कि हो पाएगा या नहीं पर कोशिश करुँगी।'

मैंने उसकी पीठ अपने सीने पेट से सटाते हुए उसके दोनों बूब्स ज़बरदस्त ढंग से मसलने शुरू किये, होंठ फिर उसके होंठों से सटा दिए…

उसने कुछ झिझक तो ज़रूर महसूस की क्योंकि मेरा मुंह उसके कामरस और मूत्र से सना था लेकिन दिमाग पर हावी होते नशे ने वह झिझक कुछ ही पल में मिटा दी और वह खुद से सहयोग करने लगी।

एक हाथ उसके वक्ष पर छोड़ कर दूसरे को मैं नीचे ले गया और उसकी योनि के ऊपरी भाग को सहलाने रगड़ने लगा।
कुछ ही पलों में वह ऐंठने मचलने लगी।

बिस्तर की चादर फिर अस्त व्यस्त होने लगी और हमारे नग्न शरीरों के बीच ऐसी रगड़ घिसाई शुरू हो गई जैसे कोई फ्रेंडली मल्ल युद्ध चल रहा हो।

यहाँ उसमें ज़रा भी शर्म या झिझक बाकी नहीं रही थी और वह सब कुछ खुल कर एन्जॉय कर रही थी, जिसमें सारी चीज़ें उसने पोर्न क्लिप्स में देखी रही होंगी।

उसके मुंह से रह रह कर कामोत्तेजना से भरी सिसकारियाँ फूट रही थीं जो मेरे कानों में रस घोल रही थीं।

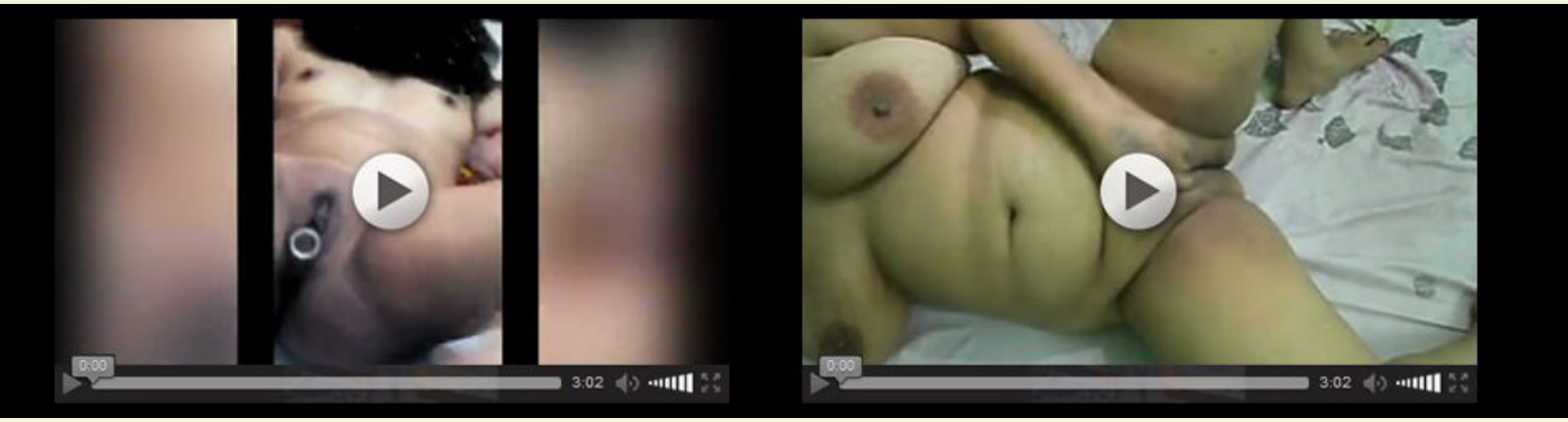

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बिस्तर इस धींगामुश्ती के लिए छोटा पड़ गया। हम कहीं अधलेटे बिस्तर पर हो जाते कहीं बिस्तर छोड़ कर कमरे की दीवारों से जा चिपकते, कहीं ठन्डे फर्श पर लोटने लगते।

अजीब नज़ारा था… बस ऐसा लग रहा था जैसे कोई पागल प्रेमी जोड़ा ज़माने से बेखबर, अपने प्राकृतिक रूप में उस छोटी सी जगह में कामक्रीड़ा में ऐसा मस्त हो कि न दुनिया की खबर रह गई हो न अपनी।

हमारी भारी साँसें और मस्ती में डूबी सिसकारियाँ कमरे की सरहदों को तोड़ रही थीं।

इस बीच उसके नितम्बों को ज़बरदस्त ढंग से दबाते, मसलते मैंने कई बार कुछ कुछ क्षणों के लिए अपनी उंगली उसके न सिर्फ योनिद्वार में घुसाई बल्कि उसके पीछे के छेद में भी घुसाई, जिसे महसूस करके वह कुछ पलों के लिए रुकी, अटकी, झिझकी लेकिन फिर मेरे आदेशानुसार उसने उस उंगली को भी कामक्रीड़ा का एक अंग मान कर स्वीकार कर लिया।

मेरे हाथ को बार बार अपनी योनि पर ले जाकर और अपनी योनि को मेरी जांघ पर रगड़ कर उसने संकेत दिया कि वह वहाँ और ज्यादा घर्षण चाहती थी।

तो मैं बिस्तर पर चित लेट गया और उसकी योनि को उँगलियों से फैला कर, उनके बीच अपने लेटे, पेट से सटे लिंग को सेट करके, उसे अपने ऊपर बिठा लिया और उसे कहा कि वह आगे पीछे करे।
इस तरह उसकी गर्म, तपती हुई योनि को मेरे गर्म लिंग का घर्षण, उसके योनि छिद्र से लेकर, क्लिटरिस हुड तक मिलेगा और उसे बिना अंदर बाहर किये भी ज़बरदस्त मज़ा आएगा।

वो उत्तेजित अवस्था में होंठ भींचे अपनी कमर को आगे पीछे करने लगी जिससे न सिर्फ उसकी योनि को स्खलन की तरफ ले जाने में सहायता मिली बल्कि इससे मुझे भी इतना

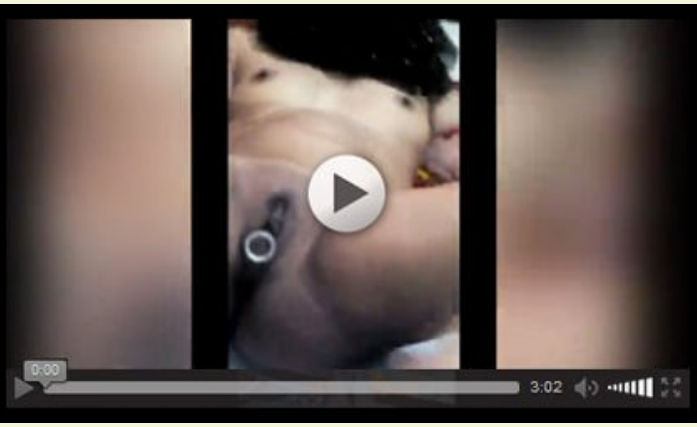

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आनन्द आया कि मैं भी स्खलन के उस अंतिम मुकाम की तरफ बढ़ चला।

उसकी रस से भरी बहती हुई योनि मेरे लिंग को अंडकोषों तक गीला कर रही थी।
मेरे ऊपर बैठी कामोत्तेजना में डूबी वह ऐसे आगे पीछे हो रही थी जैसे हम सामान्य सहवास कर रहे हों।
उसके वक्ष उसके हिलने के साथ आगे पीछे झूल रहे थे जिन्हे मैंने थाम लिया और जोर जोर से मसलने लगा।

पर यह पल उसके लिए ज्यादा विस्फोटक थे जो पहली बार इस दौर को जी रही थी।
उसकी मानसिक दशा जल्दी ही वहाँ पहुँच गई जहाँ उसकी योनि उसके मस्तिष्क को नियंत्रित करने लगी।

वह मेरे ऊपर इस तरह झुकी कि उसके बूब्स मेरे सीने से आ लगे और वह अपने हाथ को नीचे ले जाकर मेरे लिंग के अग्रभाग को अपने ज्वालामुखी की तरह धधकते, भाप छोड़ते ढहाने में घुसाने की कोशिश करने लगी।

ज़ाहिर था कि छेद खुला हुआ तो नहीं था कि एकदम से वह घुसाने में कामयाब हो जाती।
एक तो बंद की हद तक टाइट छेद और ऊपर से उसका और मेरा इतना सारा लुब्रिकेंट…
लिंग फिसल फिसल कर नीचे चला जाता या ऊपर चला जाता।

उस घड़ी ख्वाहिश तो मेरी भी हो रही थी कि वह कामयाब हो जाये और मुझे भी एक अनछुए, कुंवारे छेद में स्खलन का सुख प्राप्त हो लेकिन मुझे अपनी प्रतिज्ञा याद गई।

बावजूद इसके कि मैं सब्र वाला, तजुर्बेकार और बड़ी हद तक खुद पर नियंत्रण रखने वाला था… मुझे सम्भलने में कई पल लग गए, पर गनीमत रही कि तब तक वह लिंग को अंदर घुसाने में कामयाब नहीं हो गई।

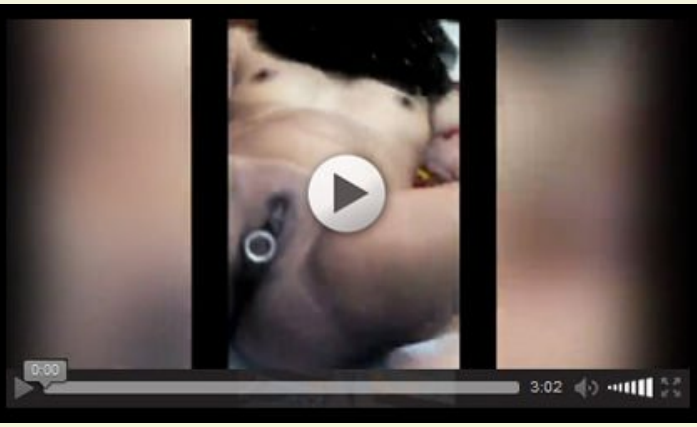

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने उसकी पीठ पर पकड़ बनाई और पलटनी खाते हुए उसे नीचे ले आया और खुद उसके ऊपर हो गया।
नीचे लिंग की रगड़ जारी रखते हुए मैं उसके होंठ चूसने लगा।

'भाड़ में जाए वर्जिनिटी... अब मेरी बर्दाश्त से बाहर है।' वह अपने होंठों को मेरी पकड़ से छुड़ा कर हाँफते हुए बोली- इसे अंदर डालो और मुझे वैसे ही जोर जोर से फ़क करो जैसे कोई मर्द किसी औरत को करता है।

'हाँ हाँ क्यों नहीं... पर इतनी जल्दी क्यों ? अभी तो शुरुआत है। वह स्खलन का आखिरी तरीका है जो आखिर में सिखाऊँगा। अभी एक बार इस तरह भी तो मज़ा लो। मैं न कहीं भागा जा रहा हूँ न मेरा वह ! सब तुम्हारा है मेरी जान। थोड़ा सब्र करो... फिर मैंने तुम्हें वैसे ही फ़क करूँगा जैसे तुम चाह रही हो।' मैंने उसे बहलाते हुए कहा।

उसने होंठ भींच लिए।

'क्लोज़ योर आइज़ एंड जस्ट इमैजिन... तुम्हारी दोनों टाँगें घुटनों से मुड़ी फैली हुई हैं और मैं उनके बीच तुम्हारे छेद में अपना लिंग घुसाए हुए हूँ और धक्के पर धक्के लगा रहा हूँ। तुम अपनी कमर उठा उठा कर उसे और अंदर ले रही हो और आह आह करती मुझे और जोर से धक्के लगाने को कह रही हो।'

मैं उसकी योनि पर अपने गर्म लिंग का घर्षण देते उसे कल्पनाओं की दुनिया में ले आया- फिर तुम डॉगी स्टाइल में आ जाती हो और मैं तुम्हारे पीछे आ कर अपना लिंग तुम्हारी योनि में उतार कर धक्के लगाने लगता हूँ। मेरा पेनिस बार बार तुम्हारी गहराई में जाकर तुम्हारी बच्चेदानी को छू कर आता है और मेरे पेट से बार बार टकराते तुम्हारे चूतड़ आवाज़ कर रहे हैं। तुम बेहद अच्छा महसूस कर रही हो, तुम्हें मज़ा आ रहा है... तुम्हें बहुत मज़ा आ रहा है।

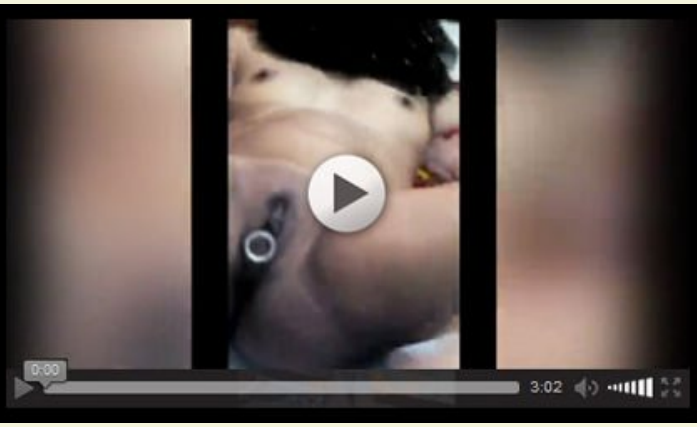

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘हाँ… हाँ… बहुत मज़ा आ रहा है।’ वह कांपती लहराती आवाज़ में बड़बड़ाई- फिर से मुझे ऐसा महसूस हो रहा है जैसे कुछ निकल पड़ेगा। आह… आह, हम्म्म… बस निकलने वाला है। आह-आह…

फिर उसकी आहें जोर की सिसकारियों में बदल गईं और जिस्म इस तरह कांपने लगा जैसे झटके लग रहे हों।
उसने अपने दोनों हाथों से मुझे पीठ की तरफ से पकड़ के ऐसे सख्ती से दबोच लिया जैसे मुझे अपने अंदर समा लेना चाहती हो।

गौसिया की पकड़ इतनी सख्त थी कि मुझे अपनी हड्डियाँ कड़कड़ाती महसूस हुईं।
इस जकड़न और घर्षण ने मुझे भी चरमोत्कर्ष तक पहुंचा दिया था और मैंने भी उसे पीठ की तरफ से पकड़ के ऐसे सख्ती से खुद से चिपटाया कि उसने भी वैसा ही महसूस किया होगा।

उस घड़ी हमारे जिस्मों के बीच हवा के गुज़र सकने की अंतिम सम्भावना भी ख़त्म हो गई थी और देख कर ऐसा लगता था जैसे हम एक दूसरे की हड्डियाँ तोड़ कर एक दूसरे में समां जाना चाहते हों।

दिमाग में सनसनाहट इस कदर हावी थी कि कुछ पलों के लिए उसके साथ मैं भी बेसुध हो गया।

स्खलन का अंतिम दौर भी ख़त्म हो चुका और दिमाग की सनसनाहट कुछ कम हुई तो हमारी पकड़ ढीली पड़ी और हमने एक दूसरे को आज़ाद किया।

कुछ क्षणों पश्चात वह कुछ उठ कर अपने पेडू पर वहाँ देखने लगी जहाँ मेरे लिंग ने गाढ़ा सफ़ेद वीर्य उगला था जो अब हवा के संपर्क में आते ही हल्का पड़ने लगा था।

उसने अपनी एक उंगली उस वीर्य में डुबाई फिर उसे अपनी आँखों के पास लाकर गौर से

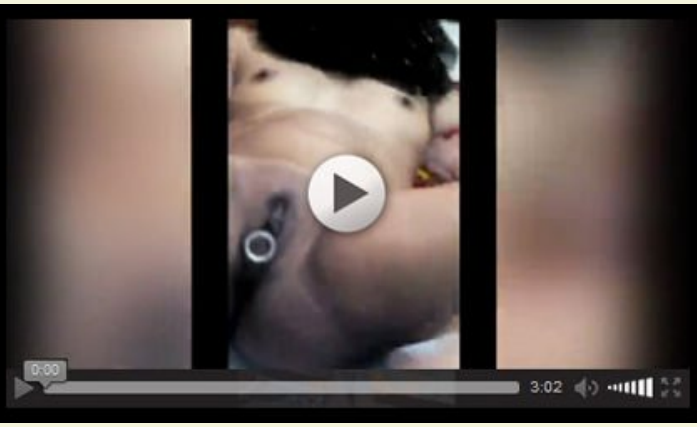

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

देखने लगी।

‘ऐसा होता है वीर्य !’ उसने बुदबुदाते हुए कहा।

‘मर्द का रस… कह सकती हो कि शुक्राणुओं का समूह जो बाहरी हवा के संपर्क में आते ही मर जाते है और मर कर पानी की शक्ल में फैल जाते हैं।’

उसने उंगली को नाक के पास ले जाकर सूंघा- कैसी सड़े आटे जैसी तो महक है। कैसे लड़कियाँ इसे मुंह में ले लेती हैं या निगल लेती हैं ? छी:’ उसने मुंह बनाते हुए कहा और अपना वही स्टोल उठा कर जिससे मैंने पहले पोंछा था, पहले उंगली पोंछी और फिर अपने पेट से उसे साफ़ करके उठ कर अपनी योनि के नीचे मौजूद चादर पर पड़े गीले धब्बे को देखने लगी।

‘इट्स ह्यूमन नेचर ! मन में होता है कि यह कोई नुकसानदेह चीज़ नहीं है और फिर जो स्वाद बार बार ज़ुबान को लगे, उसकी आदत हो जाती है। फिर वह अच्छा या बुरा नहीं लगता। फिर जिन्हें तुम स्पर्म मुंह में लेते या निगलते देखती हो वो पोर्न एक्ट्रेस होती हैं जिनका यह काम है, जिसके वे पैसे लेती हैं। ज़रूरी नहीं कि उनकी तरह हर लड़की वैसा करे।’

‘हमारे वीर्य का रंग ऐसा क्यों नहीं होता।’

‘क्योंकि उसमें स्पर्म नहीं होते और वैसे भी वह वीर्य नहीं होता।’

‘एनीवे, थैंक्स।’ वह उस तरफ से ध्यान हटा कर मेरी तरफ देखते हुए अनुराग भरे स्वर में बोली- मैं बहक गई थी, मेरा खुद पर कोई काबू नहीं रह गया था। मुझे बेहद मज़ा आ रहा था और मैं चाहती थी कि तुम उसे अंदर करके मेरे मज़े को दोगुना कर दो। पर शुक्रगुज़ार हूँ तुम्हारी कि तुमने ऐसे नाज़ुक पलों में भी खुद पर कंट्रोल रखा और मुझे ज़िन्दगी भर

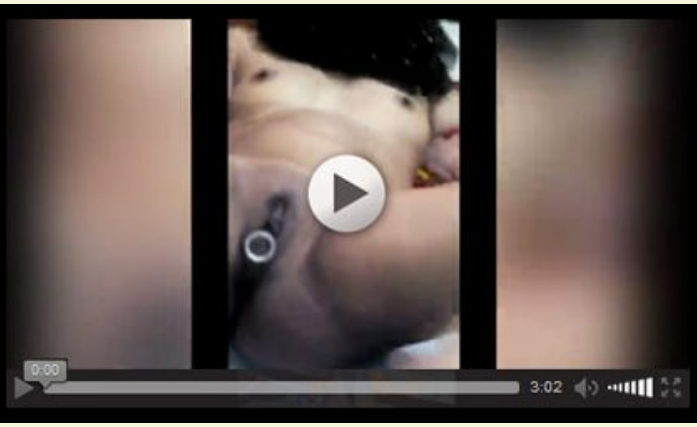

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शर्मिंदा होना से बचा लिया।

‘अगर तुम कामयाब हो जाती तो… शर्मिंदा होने के सिवा अपने किसी टिपिकल रवायती शौहर को क्या एक्सक्यूज़ देती।’
‘यही कि साइक्लिंग करने में झिल्ली फट गई थी। बाकी वह ऐसे दो चार बार करने से जो ढीली होती भी तो जब तक शादी होगी तब तक फिर टाइट हो जायेगी कुंवारी जैसी। पर यह मेरे खुद के अपनी नज़र में गिर जाने वाली बात होती।’
‘मैं पूरी कोशिश करूँगा कि तुम्हे खुद से शर्मिंदा होने से बचा सकूँ।’

हमने फिर बिस्तर दुरुस्त किया और लेट कर बातें करने लगे।

‘क्या कह रहे थे कि अंदर डालना डिस्चार्ज होने का आखिरी तरीका है जो आखिर में सिखाओगे।’ वह शरारत भरे स्वर में मुझे देखते हुए बोली।

‘तुम्हें बहला रहा था। बात सही है लेकिन वह तुम्हें मैं नहीं बल्कि तुम्हारा हबी सिखाएगा।’

‘वैसे ज्यादा मज़ा किसमें आता है… लम्बे मोटे वाले में या नार्मल में ?’

‘इसका रिश्ता भी दिमाग से होता है। अगर तुमने मन में सोच बना ली कि लम्बे मोटे सामान ज्यादा मज़ा देते हैं और तुम्हें वो नहीं मिलता तो तुम कभी किसी छोटे सामान से संतुष्ट नहीं हो पाओगी लेकिन अगर तुमने इसे नैचुरली लिया या दिमाग में यह धारणा बैठ गई कि वह ज्यादा तकलीफदेह होगा तो तुम्हें मध्यम आकार के लिंग से ही पूरी संतुष्टि भी मिलेगी और हर तरह का मज़ा भी आएगा। पर हाँ उसकी लम्बाई इतनी तो ज़रूर हो कि हर तरह के आसन में वह योनि में इतनी गहराई तक तो ज़रूर पहुंचे कि घर्षण का मज़ा दे सके।’

‘तुम्हारा दे सकेगा हर आसन में मज़ा ?’

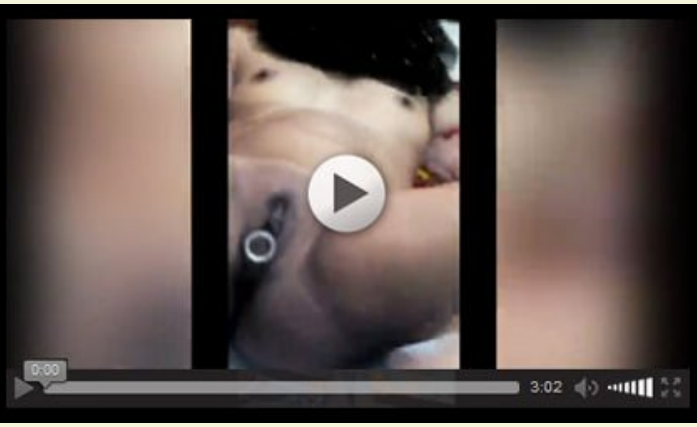

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘अगर लड़की मोटी है या उसके नितम्ब ज्यादा हैं या कम भी हैं और पीछे की तरफ ज्यादा निकले हैं, या चर्बी से भरे सख्त हैं और उनमे स्ट्रेचिब्लटी नहीं है तो मैं हर आसन में कामयाब नहीं हो सकता। यह मेरी लिमिटेशन है।’

‘बड़ी साफगोई से खुद की कमी स्वीकार कर लेते हो।’

‘इससे मैं बड़े बड़े दावे करने से बच जाता हूँ और मुझे शर्मिंदा नहीं होना पड़ता।’

‘अब तक कितनी लड़कियों से सेक्स किया है ?’

‘गिनना पड़ेगा। छोड़ो उन्हें… चलो वीडियो देखते हैं। फर्स्ट सेक्स के… जो आइन्दा ज़िन्दगी में तुम्हारे काम आएंगे।’

पहले हमने फर्स्ट सेक्स वाले ढेरों वीडियो देखे जिसमे प्रथम सहवास और उससे जुड़ी प्रतिक्रियाओं के दृश्य थे, पर वहाँ लड़कियाँ उस तरह रियेक्ट नहीं करती जैसे रियल में करती हैं…
दूसरे यह भी था कि उनमें ज्यादातर वीडियो फर्जी होते हैं जिसमे ब्लॅड निकालने के लिए किसी ट्रिक का सहारा लिया जाता है।

कुछ देर में जब उनसे जी भर गया तो हम भिन्न भिन्न केटेगरी के वीडियो देखने लगे।

जब मैंने उसे ब्लैक मॉन्स्टर डिक वाले वीडियो दिखाये जिनमें काले हब्शी पुरुषों के लिंग घोड़ों जैसे लम्बे और मोटे थे बहुत जल्दी उसमें अरुचि पैदा हो गई कि इतने बड़े भी किस काम के जो न पूरा योनि के अंदर समां सके और न ही सामान्य तरीके से स्तम्भन किया जा सके।

शुक्र है कि बड़े सामान के आकर्षण से उसे मुक्ति मिली और करीब डेढ़ घंटे बाद उसने फिर

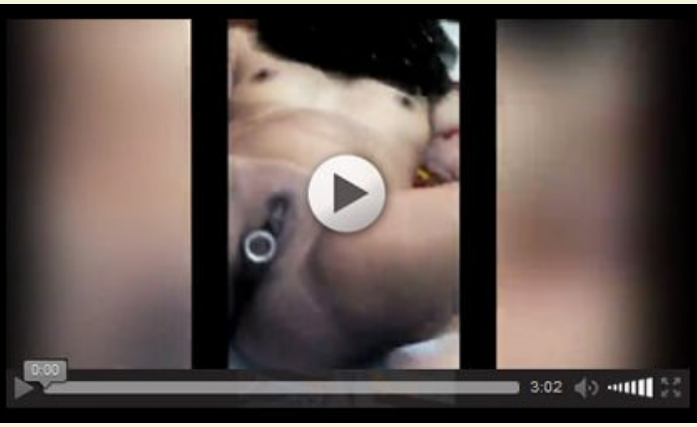

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गर्मी चढ़ने के आभास देना शुरू किया।

‘कोई और तरीका भी होता हो तो वो भी बताओ।’ उसने मेरे लिंग को मुट्ठी में दबोच कर दबाते हुए कहा।

‘ओके, तुम अपना हाथ जगन्नाथ वाला तरीका भी सीख लो जो शादी होने तक तुम्हारे काम आएगा।’ मैंने उसे खुद से अलग करते हुए कहा।

मैं बेड की पुश्त से टिक कर बैठ गया और अपने पांव फैलाते हुए अपने सामान पर तकिया रख लिया ताकि उसके नितम्बों का स्पर्श फिर न उसे सरकशी पर उतारू कर दे।

फिर गौसिया को उसकी पीठ की तरफ से खुद से सटाते हुए ऐसी अधलेटी अवस्था में लिटाया कि उसका सर मेरी ठोढ़ी से नीचे रहे।

‘अब तुम अपने बाएं हाथ से अपने दाएं बूब को दबओगी, सहलओगी और दाएं हाथ की उँगलियों से अपनी वेजाइना के क्लिटरिस हुड यानि भगांकुर को सहलाती दबाती रहोगी। जब कि मैं सीधे हाथ से तुम्हारे बाएं बूब का मर्दन करूँगा और उलटे हाथ से मोबाइल को सामने रखूँगा जिसमें हम 15-16 मिनट वाली ऐसी मूवी देखेंगे जिसकी हीरोइन के तौर पर तुम खुद को इमैजिन करोगी।’

‘ओके।’

मैंने मुंह में ढेर सी लार बनाई और उसके सीधे हाथ की उँगलियों को मुंह में लेकर उन्हें उस लार से गीला कर दिया।

कहानी कैसी लग रही है, मुझे ज़रूर बताएँ!

imranovaish@yahoo.in

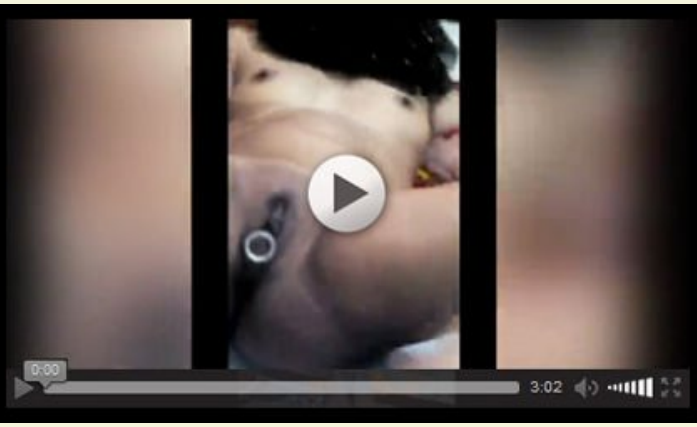

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

imranrocks1984@gmail.com

फ़ेसबुक: https://www.facebook.com/imranovaish

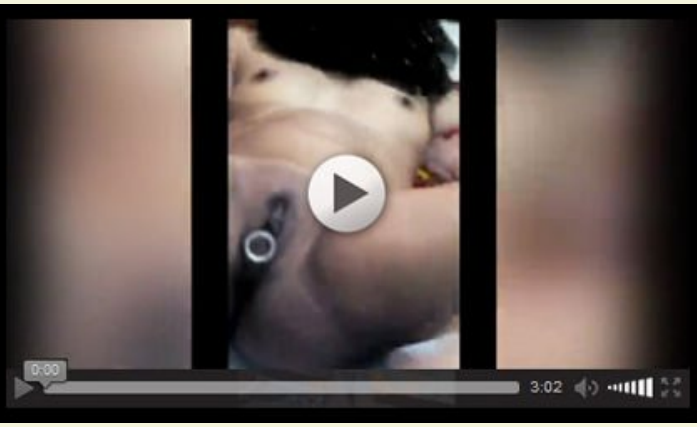

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

भाभी ने घर बुला कर मेरे लन्ड का शिकार किया

अन्तर्वासना के पाठकों को विक्रम का सादर भरा नमस्कार, आपने मेरी पिछली कहानियाँ पढ़ी जो मेरी और रीना पे आधारित थी. ऑफिस की लड़की की जबरदस्त चुदाई के बाद… दार्जीलिंग में मस्त चुदाई भरा हनीमून आपने मुझे खूब ईमेल और […]
Full Story >>>

गलतफहमी-9

नमस्कार दोस्तो, कहानी की अगली कड़ी लेकर मैं एक बार फिर आप सबके सामने हाजिर हूँ। अभी हम कहानी के आखरी पड़ाव में नहीं हैं, बल्कि शुरुआत में ही पहुंचे हैं। जो कुछ भी आपने अभी तक पढ़ा वह महज […]
Full Story >>>

माउंट आबू में गुजराती कपल के साथ 3सम मस्ती-4

मैं 12 मार्च शुक्रवार को शाम की स्लीपर बस पकड़ कर आबू रोड आ गया। मैं 9.30 पर आबू रोड पहुंचा फिर नजदीक के सुलभ शौचालय में फ्रेश होकर नहाकर वापस बस स्टैंड आकर पहले हिम्मत को फोन किया. हिम्मत- […]
Full Story >>>

पड़ोसन जवान लड़की की चुत चुदाई

नमस्कार मित्रो, यह मेरी पहली कहानी है पड़ोसन लड़की की चुदाई की… मेरा नाम राहुल है और मैं 21 साल का बंदा हूँ। मैं जवान गोरा और बड़े लंड का मालिक हूँ। मेरी पड़ोसन लड़की जिसकी नाज़ुक जवानी को देख […]
Full Story >>>

ममेरी बहन की बुर की चुदाई की हिंदी पोर्न स्टोरी

हैलो फ्रेंड्स, मैं आप लोगों को अपनी ज़िंदगी के पहली बुर की चुदाई की हिंदी पोर्न स्टोरी बताना चाहता हूँ कि कैसे मैंने अपनी ममेरी बहन की बुर की चुदाई की. मेरा नाम अमोल है, मेरी उम्र 20 साल है.. […]
Full Story >>>

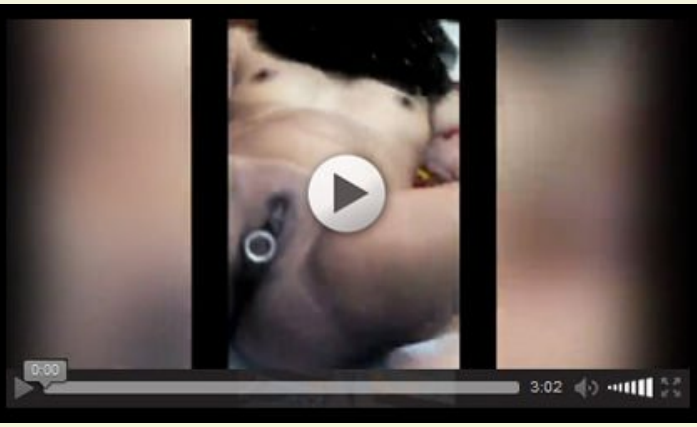

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Malayalam Sex Stories

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Kirtu

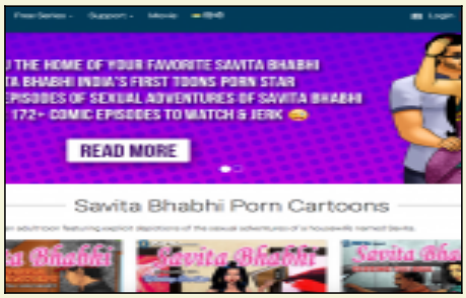

URL: www.kirtu.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months.

Antarvasna Indian Sex Photos

URL: antarvasnaphotos.com **Average traffic per day:** 42 000 GA sessions **Site language:** Hinglish **Site type:** Photo **Target country:** India Free Indian sex photos, sexy bhabhi, horny aunty, nude girls in hot Antarvasna sex pics.

Velamma

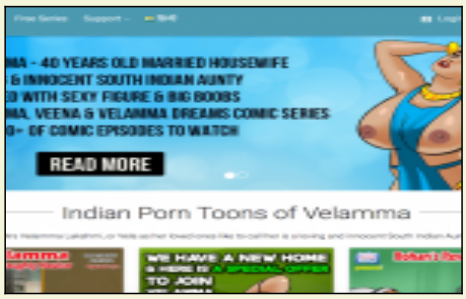

URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Indian Gay Site

URL: www.indiangaysite.com **Average traffic per day:** 52 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India We are the home of the best Indian gay porn featuring desi gay men from all walks of life! We have enough stories, galleries & videos to give you a pleasurable time.

FSI Blog

URL: www.freesexyindians.com **Average traffic per day:** 60 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India Serving since early 2000's we are one of India's oldest and favorite porn site to browse tons of XXX Indian sex videos, photos and stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire